Seventeenth Loksabha

>

Title: Issue regarding incidents of firing among paramilitary forces.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): मान्यवर, मैं इस सदन में हमारे गृह मंत्री, मिनिस्टर ऑफ स्टेट से कुछ कहना चाहता हूं । मैं इस सदन में एक गम्भीर मुद्दा उठाना चाहता हूं । आपको शायद यह जानकारी होगी कि छत्तीसगढ़ राज्य में नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिला स्थित करेनार में आईटीबीपी के एक कैंप में हमारी पैरामिलिट्री फोर्सेज़ की आपसी लड़ाई में यह खबर मिली है कि फौज के एक जवान ने अपने साथी जवानों के ऊपर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं । इसमें 6 जवानों की मौत हो गई है और 2 गम्भीर रूप से घायल भी हो गए हैं । इसकी वजह क्या है? इस सरकार को इसकी जानकारी जरूर होगी । यह बड़ी चिंता का विषय है कि हमारी पैरामिलिट्री फोर्सेज़ के अंदर इस तरह की आपसी लड़ाई क्यों इतनी बढ़ जाती है । आप देखिए, नौसेना में यह नहीं होता, वायु सेना में यह नहीं होता, थल सेना में कम होता है, लेकिन पैरामिलिट्री फोर्सेज़ में दिन-पर-दिन इस तरह की घटनाओं में काफी इजाफा हो रहा है । यह हो सकता है कि उनको जो सुविधा मुहैया कराना चाहिए था, जो उपयुक्त वातावरण उनको मिलना चाहिए था, वह आप नहीं दे पा रहे हैं । यह हो सकता है कि कुछ और खामियां हों, नहीं तो इस तरह की घटना क्यों घटेगी?

हर कैंप में, कम से कम हर रीजन में उन लोगों की मनोवैज्ञानिक सहायता करनी चाहिए । यह बड़ी दु:खद बात है कि जो जवान देश को बचाने के लिए अपना घर-द्वार छोड़ कर जा रहे हैं, उसके अंदर क्यों ऐसा तनाव पैदा होता है, क्यों ऐसी उत्तेजना पैदा होती है कि वे अपने साथियों के ऊपर गोलियां बरसा रहे हैं? इस विषय को गम्भीरता से लेना चाहिए । ...(व्यवधान) छोड़िए, उनको सुनने दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी ।

श्री अधीर रंजन चौधरी: मंत्री जी, सुनने दीजिए । सबसे बड़ी बात है कि नौसेना में ऐसा नहीं होता, वायु सेना में नहीं होता, तो आप उन्हीं लोगों से सलाह क्यों नहीं लेते कि हमारी पैरामिलिट्री फोर्सेज़ के अंदर इस तरह की घटना न घटे? इसके लिए आप उन लोगों से सलाह-मशवरा कर सकते हैं । कम से कम इस तरह की आपसी लड़ाई में हमारे नौजवान फौजी मौत के शिकार न हों । इस विषय को गम्भीरता से लेना चाहिए । …(व्यवधान) अमित शाह जी को कम से कम इस पर बोलना चाहिए ।

माननीय अध्यक्ष : सरकार तक आपकी बात गम्भीरता से पहुंच गई ।